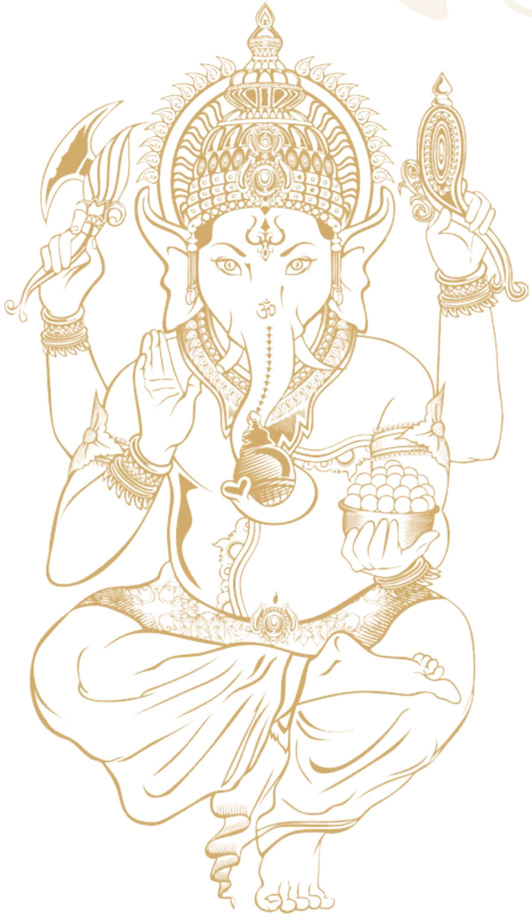

# Mr.

01 Feb 2026

01:15 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 121135303

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **01/02/2026** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **13:15:55 घंटे** |
| इष्ट | 16:06:47 घटी |
| **स्थान** | **Katni** |
| राज्य | Madhya Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 23:47:00 उत्तर |
| रेखांश | 80:29:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:08:04 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 13:07:51 घंटे |
| वेलान्तर | -00:13:33 घंटे |
| साम्पातिक काल | 21:53:59 घंटे |
| सूर्योदय | 06:49:12 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:54:21 घंटे |
| दिनमान | 11:05:09 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 18:13:47 मकर |
| लग्न के अंश | 16:08:49 वृष |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | वृष - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **कर्क - चन्द्र** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पुष्य - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | आयुष्मान |
| करण | विष्टि |
| गण | देव |
| योनि | मेष |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | हो-होशियार |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कुम्भ |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृष | 16:08:49 | 363:26:52 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | शनि | --- |
| सूर्य | | | मक | 18:13:47 | 01:00:53 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | कर्क | 10:19:28 | 14:17:04 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | शुक्र | स्वराशि |
| मंगल | | अ | मक | 12:45:28 | 00:46:58 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | राहु | उच्च राशि |
| बुध | | अ | मक | 25:49:21 | 01:46:05 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 23:06:04 | 00:06:39 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | अ | मक | 24:21:37 | 01:15:17 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | मित्र राशि |
| शनि | | | मीन | 04:26:57 | 00:05:56 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 14:52:35 | 00:03:20 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 14:52:35 | 00:03:20 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 03:14:23 | 00:00:09 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 05:55:31 | 00:01:40 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| प्लूटो | | | मक | 09:29:01 | 00:01:54 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | कुंभ | 02:02:10 | -- | धनिष्ठा | -- | 23 | शनि | मंगल | केतु | -- |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

## लग्न-चलित

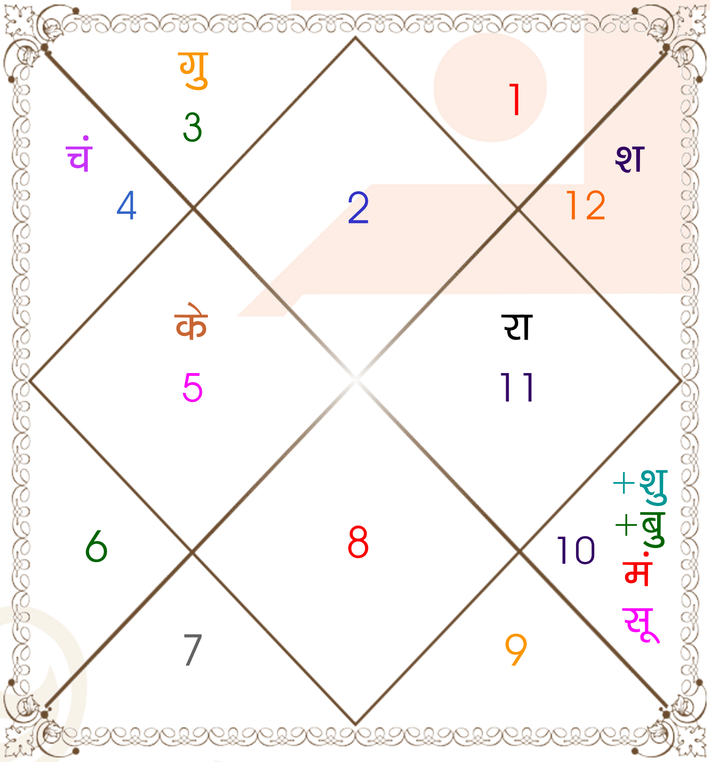


## चन्द्र कुंडली

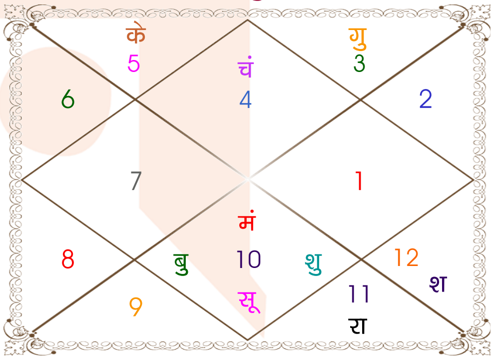


## नवमांश कुंडली

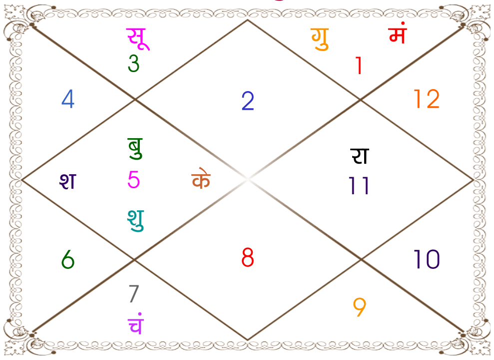

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 0 मास 13 दिन

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01/02/2026 | | 15/02/2035 | | 15/02/2052 | | 15/02/2059 | | 15/02/2079 | |
| 15/02/2035 | | 15/02/2052 | | 15/02/2059 | | 15/02/2079 | | 15/02/2085 | |
| | 00/00/0000 | बुध | 14/07/2037 | केतु | 14/07/2052 | शुक्र | 17/06/2062 | सूर्य | 05/06/2079 |
| | 00/00/0000 | केतु | 11/07/2038 | शुक्र | 13/09/2053 | सूर्य | 17/06/2063 | चंद्र | 04/12/2079 |
| | 01/02/2026 | शुक्र | 11/05/2041 | सूर्य | 18/01/2054 | चंद्र | 15/02/2065 | मंगल | 10/04/2080 |
| शुक्र | 06/02/2026 | सूर्य | 17/03/2042 | चंद्र | 20/08/2054 | मंगल | 17/04/2066 | राहु | 05/03/2081 |
| सूर्य | 19/01/2027 | चंद्र | 17/08/2043 | मंगल | 16/01/2055 | राहु | 16/04/2069 | गुरु | 22/12/2081 |
| चंद्र | 19/08/2028 | मंगल | 13/08/2044 | राहु | 03/02/2056 | गुरु | 16/12/2071 | शनि | 04/12/2082 |
| मंगल | 28/09/2029 | राहु | 02/03/2047 | गुरु | 09/01/2057 | शनि | 15/02/2075 | बुध | 11/10/2083 |
| राहु | 04/08/2032 | गुरु | 07/06/2049 | शनि | 18/02/2058 | बुध | 16/12/2077 | केतु | 15/02/2084 |
| गुरु | 15/02/2035 | शनि | 15/02/2052 | बुध | 15/02/2059 | केतु | 15/02/2079 | शुक्र | 15/02/2085 |

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/02/2085 | | 15/02/2095 | | 16/02/2102 | | 16/02/2120 | | 16/02/2136 | |
| 15/02/2095 | | 16/02/2102 | | 16/02/2120 | | 16/02/2136 | | 00/00/0000 | |
| चंद्र | 16/12/2085 | मंगल | 14/07/2095 | राहु | 29/10/2104 | गुरु | 06/04/2122 | शनि | 19/02/2139 |
| मंगल | 17/07/2086 | राहु | 01/08/2096 | गुरु | 25/03/2107 | शनि | 17/10/2124 | बुध | 29/10/2141 |
| राहु | 16/01/2088 | गुरु | 08/07/2097 | शनि | 29/01/2110 | बुध | 23/01/2127 | केतु | 08/12/2142 |
| गुरु | 17/05/2089 | शनि | 16/08/2098 | बुध | 17/08/2112 | केतु | 30/12/2127 | शुक्र | 02/02/2146 |
| शनि | 16/12/2090 | बुध | 14/08/2099 | केतु | 04/09/2113 | शुक्र | 30/08/2130 | | 00/00/0000 |
| बुध | 17/05/2092 | केतु | 10/01/2100 | शुक्र | 04/09/2116 | सूर्य | 18/06/2131 | | 00/00/0000 |
| केतु | 16/12/2092 | शुक्र | 12/03/2101 | सूर्य | 30/07/2117 | चंद्र | 17/10/2132 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 16/08/2094 | सूर्य | 18/07/2101 | चंद्र | 29/01/2119 | मंगल | 23/09/2133 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 15/02/2095 | चंद्र | 16/02/2102 | मंगल | 16/02/2120 | राहु | 16/02/2136 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से  कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरायेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुडकर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।